# आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता में "विज्ञान और किसान: भारत@75" पर हिंदी संगोष्ठी का आयोजन

**19 सितंबर, 2022, कोलकाता:**

आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता द्वारा 19 सितंबर 2022 को विज्ञान में हिंदी के उपयोग और जागरूकता पैदा करने के लिए "विज्ञान और किसान: भारत @ 75" शीर्षक पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एस.एन. झा, उप महानिदेशक (कृषि अभियंत्रकी) द्वारा किया गया । डॉ. झा ने सामाजिक और कार्यालय में हिंदी संचार और लेखन के महत्व पर अपनी संक्षिप्त व्याख्यान के साथ प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इस अवसर पर "Natural Fibre for Sustainable Societal Development" विषय पर 03-04 जनवरी, 2023 को संस्थान द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन की घोषणा की गई ।

डॉ. अरुणव पटनायक, निदेशक, भाकृअनुप-आईआईएबी, रांची और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने कृषि में मशीन के महत्व और इसके विकास पर जोर देते हुए किसानों की जरूरत के अनुसार वैज्ञानिकों को अनुसंधान करने की सलाह दी।

प्रो. मान सिंह, परियोजना निदेशक, जल प्रौद्योगिकी केंद्र ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच संबंधों पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम के तहत वैज्ञानिक को किसान के खेत के साथ मिलकर काम करने पर जोर दिया।

डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक ने ग्रामीण जनता तक हिन्दी को माध्यम बनाने पर जोर देने के लिए संस्थान स्तर पर की गई पहलों के बारे में बताया।

मार्केटिंग क्षेत्र में पैकेजिंग के महत्व पर श्री बिधान दास, उप निदेशक, आईआईपीआर, कोलकाता व सीपीसीबी, क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल के वैज्ञानिक डॉ आरपी मिश्रा ने कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों के उपयोग को कम करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण पर अपनी बात प्रस्तुत दी। डॉ एके ठाकुर, आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा मखाना के उत्पादन और प्रसंस्करण का एक प्रमुख व्याख्यान था। दो सत्रों में वैज्ञानिकों द्वारा कृषि विज्ञान व प्रोद्योगिकी के महत्व पर 12 प्रस्तुतियाँ दी गई।

स्वागत भाषण डॉ. पी.सी. सरकार, प्रधान वैज्ञानिक, अध्यक्ष, हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी व कार्यक्रम का समान्यवन डॉ. लक्ष्मीकांत नायक, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का समापन मनीषा जगदाले, वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

*(स्रोत: भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान)*

*डॉ. एस.एन. झा, उप महानिदेशक (कृषि अभियंत्रकी), व्याख्यान देते हुए*

*डॉ. अरुणव पटनायक, निदेशक, भाकृअनुप-आईआईएबी, रांची, व्याख्यान देते हुए*

*तकनीकी पुस्तिका का विमोचन करते हुए*

*डॉ. एस.एन. झा को संवर्धना देते हुए डॉ. डी.बी. शाक्यवार*

*श्री बिधान दास, उप निदेशक, आईआईपीआर, कोलकाता व्याख्यान देते हुए*